stamfa), island. vet. *stofn* id.; germ. vet. *stab* baculus. Cum स्तब्ध immobilis, rigidus cf. germ. vet. *stîf*, angl. *stiff*, nostrum *steif*.)

c. अव (anom. अवष्टम्भ्) inniti. Bh. 9.8.: प्रकृतिं स्वाम् अवष्टभ्य·

c. वि 1) fulcire, stabilire. Rigv. V. 99.3. (v. Westerg.) वि यस् तस्तम्भ रोदसी; Bh. 10.42.: विष्टभ्या ऽहम् इदङ् कृत्स्नम् एकांशेन स्थितो जगत्· 2) sistere, retinere, inhibere. N. 2.30.: अन्तरीक्षे विष्टभ्य विमानानि दिवौकसः· 3) inniti. Hit. 69.9.: विष्टभ्य पादाव् अवतिष्ठते श्रीः· — *Caus.* sistere, inhibere. Mah. 3. 10314.: कथं विष्टम्भितस् तेन भगवान् पाकशासनः (cf. 3.10387.)

c. सम् 1) fulcire, stabilire, confirmare. A. 8.23. Bh. 3.43.: संस्तभ्या ऽऽत्मानम् आत्मना· Se confirmare, se erigere, colligere. R. Schl. II. 14.13.: कृच्छ्राद् धैर्येण संस्तभ्य· 2) refrenare, coërcere. R. Schl. II. 63.47.: संस्तभ्य शोकन् धैर्येण· — *Caus.* 1) fulcire, confirmare. R. Schl. II. 34.53. Mah. 1.6477. 2) immobilem reddere. Mah. 1.1291. 3.10313.

c. सम् praef. अभि fulcire, confirmare. R. Schl. II. 64.11.

स्तम्भ *m.* (r. स्तम्भ् s. अ) postis, pila, columna. In. 2.24. N. 5.3. (*V.* r. स्तम्भ्·)

स्तवक *m.* (ut videtur, a r. स्तु s. अक) fasciculus florum. Hit. 31.6.: कुसुमस्तवक·

स्तवकित (a praec. s. इत) fasciculo florum praeditus. Ur. 73.5.

स्तिघ् 5. *P.* (आस्कन्दने, v. Westerg. p. 365.) ascendere. (Gr. ΣΤΙΧ, στείχω, ἔστιχον, germ. vet. *STIG* scandere, ascendere, *stîgu, steig, stigumês*; lith. *staigùs* celer, *staigey* cito, *staigio-s* festino, russ. *stignu* (cf. स्तिघ्नोमि) assequor, consequor, slav. vet. стьза *stjza* semita, goth. *staigs* id., hib. *staighre* «a step, stair».)

स्तिप् 1. *A.* (क्षरणे *K.* श्च्युति *V.*) stillare. *Cf.* स्तिम्, स्तीम्, तिप्, तिम्·

स्तिम् 4. *P.* madidum, humidum esse, madefieri. स्तिमित 1) humidus, madidus. N. 13.6.: अर्धरात्रसमये निःशब्दस्तिमिते; Am.: आर्द्रं सार्द्रङ् क्लिन्नन् तिमितं स्तिमितं समुन्नम् उत्तम्· *Cf.* तिम्, स्तिप्, तिप्· 2) firmus, rigidus, immotus (cf. स्तम्भ्). Med.; Ragh. 1.73.: ध्यानस्तिमितलोचनः (schol. स्थिरीभूते नेत्रे यस्य); 2.22. 11.45.

स्तीम् 4. *P.* *i. q.* स्तिम्·

स्तीर्ण v. स्तृ·

स्तु 2. *P.* स्तौमि, स्तुवे laudare, celebrare. Dev. 1.53.: विश्वेश्वरीम्... स्तौमि; 63.: बङ् किं स्तूयसे मया; Sa. 6. 39.: अस्तौषन् तम् अहन् देवम्; Bh. 11.21. In. 2.11. Su. 2.4. (Cf. goth. *stauta* judex, qui jus dicit, *stauja* judico, gr. στό-μα, aeol. στύ-μα, ita ut a loquendo dictum sit, sicut scr. वक्त्र, वदन; vid. Benfey I. 407.)

c. अभि अभिष्टौमि, °ष्टुवे *i. q. simpl.* Mah. 1.7393.: अभिष्टौषि; 8351.: अभितुष्टाव·

c. अभि praef. सम् *id.* R. Schl. I. 14.26.

c. प्र 1) *i. q. simpl.* Hit. 19.2. 2) narrare, nuntiare. Hit. 87.21.: संस्तुतम् अनुसन्धीयताम्; 100.16.: सर्वं वृत्तान्तम् प्रस्तुत्य· *Caus.* facere ut quis narret, nuntiet. Mah. 1.6.: अपृच्छत्... प्रस्तावयन् कथाः·

c. वि *i. q. simpl.* Mah. 1.7056.: व्यस्तुवन्·

c. सम् *id.* In. 2.9. — अभिसंस्तु, परिसंस्तु *id.* Mah. 3. 12709. 1.2132.

स्तुच् 1. *A.* (प्रसादे) propitium esse.

स्तुति *f.* (r. स्तु s. ति) collaudatio. Su. 2.4.

स्तुभ् 1. *A.* (स्तोभे *K.* स्तम्भे *V.*) immobilem fieri. — *In dial. Vêd.* PAR. laudare, celebrare. Nigh. 3.14. (v. Westerg.). *Caus. id.* Rigv. 88.6.*b.*: अस्तोभयत् «celebravit». *Cf.* स्तम्भ्, स्तु· — Praef. परि *in dial. Vêd.* laudare, celebrare. Rigv. 80.9.: परिष्टोभत विंशतिः «laudant eum viginti».

c. प्रति *P. id.* Rigv. 8.6.

स्तुम्भ् 5. et 9. *P.* स्तुभ्नोमि, स्तुभ्नामि *i. q.* स्तम्भ् 5. et 9. *P.*

स्तूप् 4. et 10. *P.* (उच्छ्राये) coacervare, erigere.